

असूयक वि. (तत्.) 1. असूया अर्थात् ईर्ष्या करने वाला 2. छिद्रान्वेषी, दूसरे के गुणों में दोष निकालने वाला 3. असंतुष्ट, अप्रसन्न।

असूया स्त्री. (तत्.) 1. दूसरे के गुणों में दोष निकालने का स्वभाव 2. दूसरे के गुण, सुख, समृद्धि आदि को सहन न करने की वृत्ति 3. जलन, ईर्ष्या 4. क्रोध, रोष 5. काव्य. रस सिद्धांत का एक संचारी भाव।

असूर्यपश्य वि. (तत्.) 1. ऐसे कड़े पर्दे में रहने वाली नारी, जिसे सूर्य भी न देख सके 2. पतिव्रता स्त्री 3. राजमहिषी।

असृक् पुं. (तत्.) 1 रक्त, खून 2. मंगल ग्रह 3. कुमकुम, केसर।

असृग् पुं. (तत्.) दे. असृक् ।

असृग्वहा स्त्री. (तत्.) रक्तवाहिनी नाड़ी, धमनी।

असंबली लाइन स्त्री. (अं.) अर्थ. उत्पाद के शृंखलाबद्ध विनिर्माण की विधि, जिसमें मशीनों और श्रमिकों को इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है कि विनिर्माण के सभी चरण क्रमशः अपने-अपने स्थान पर ही होते रहते हैं, उत्पाद को अन्यत्र नहीं ले जाना पड़ता।

असेचन वि. (तत्.) जिससे मन सिक्त या तृप्त न हो, अत्यंत हृदयाकर्षी।

असेचनीय वि. (तत्.) 1. न सींचने योग्य 2. जिसे सींचना उचित न हो।

असेवन पुं. (तत्.) 1. सेवन या उपयोग न करना 2. अवज्ञा 3. ध्यान न देना **वि.** 1. सेवा न करने वाला 2. उपेक्षा करने वाला 3. छोड़ देने वाला।

असेवा स्त्री. (तत्.) दे. असेवन, सेवा न करने की स्थिति या भाव।

असेवित वि. (तत्.) 1. जिसकी सेवा न की गई हो, उपेक्षित 2. अव्यवहृत, परित्यक्त 3. जिसकी ओर ध्यान न दिया गया हो, जिसका सेवन न किया गया हो, जिससे परहेज किया गया हो **बिलो.** सेवित।

असेसर पुं. (अं.) 1. विधि. किसी न्यायाधीश या न्यायिक अधिकारी को तथ्यों के बारे में परामर्श देने वाला 2. राजस्व कर-निर्धारक विभाग में कार्य करने वाला।

असैनिक वि. (तत्.) 1. जो सैनिक न हो 2. जो सेना से संबंधित न हो, सिविल, नागरिक 3. जहाँ सेना न हो, जैसे- असैनिक क्षेत्र **बिलो.** सैनिक।

असैनिकीकरण स्त्री. (तत्.) किसी क्षेत्र या देश को सैन्य बल से रहित करना, विसैन्यीकरण।

असोच वि. (तत्.) 1. चिंतारहित, निर्द्वंद्व 2. शोकरहित। **पुं.** निश्चितता, बेफिक्री।

असौम्य वि. (तत्.) 1. जो सौम्य न हो 2. अविनीत 3. असुंदर, कुरूप **बिलो.** सौम्य।

असौष्ठव पुं. (तत्.) सुंदरता का अभाव 1. भद्दापन 2. कुरूपता 3. गुणहीनता 4. निकम्मापन **वि.** 1. सौंदर्यहीन, असुंदर 2. भद्दा, विरूप।

अस्कंदित वि. (तत्.) 1. न बहा हुआ 2. न गया हुआ 3. अविदीर्ण 4. अविस्मृत, अनुपेक्षित 5. अनाक्रांत 6. आयु. जिसका स्कंदन न हुआ हो (द्रव पदार्थ) जो जमा हुआ न हो uncoagulated

अस्कर पुं. (अर.) सेना, फौज, लश्कर।

अस्करी वि. (अर.) सैनिक, सिपाही।

अस्थलित वि. (तत्.) 1. जो च्युत न हो, अच्युत, जो स्थलित न हो 2. अडिग जो विचलित न हुआ हो, जो फिसला या डगमगाया न हो 3. विशुद्ध **बिलो.** स्थलित।

अस्तंगत वि. (तत्.) 1. अस्त की ओर जाने वाला, अस्त होने वाला 2. समाप्ति की ओर जाने वाला।

अस्तंभी पुं. (तत्.) बन. ऐसा पौधा जिसमें तना न हो या दिखाई न दे।

अस्त वि. (तत्.) 1. डूबा हुआ, छिपा हुआ 2. तिरोहित, जो दिखाई न दे **पुं.** (तत्.) 1. (सूर्य, चंद्र का) डूबना 2. तिरोधान, लोप 3. समाप्ति,